ए श्याम तेरी बंसी की कसम

ए श्याम तेरी बंसी की कसम, हम तुमसे मोहोबत कर बैठे ।
इस दिल के सिवा कुछ और न था, यह दिल भी तुम्हारा कर बैठे ॥

हम रंग गए तेरे रंग में, ओ सावरे सुन ले अरज मेरी ।
कुछ खोया भी कुछ पाया भी, तेरी प्रीत से झोली भर बैठे ॥

पलकों में छिपा कर श्याम तुझे तन मन कुर्बान किये बैठे हैं ।
पकड़ा जब तेरे दामन को, जीने का सहारा कर बैठे ॥

मगरूर हुआ क्यूँ कर लेकिन, जरा सामने आ सूरत तो दिखा ।
कमजोर है दिल दीवाने का, श्याम इतना किनारा कर बैठे ॥

तस्वीर को तेरी जब देखा, मदहोश हुआ, बेहोश हुआ ।
देखा जब तेरी सूरत को सजदे में जुकाए सर बैठे ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/134/title/ae-shyam-teri-bansi-ki-kasam-hum-tumse-mohobat-kar-baithe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |